बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-538
28/11/2025

'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत अब तक 1 करोड़ 56 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 15 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि की गयी अंतरित

➢ मुख्यमंत्री ने आज 10 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 1000 करोड़ रुपये की राशि का किया अंतरण

पटना, 28 नवम्बर 2025 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की 10 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 1000 करोड़ रुपये की राशि का रिमोट का बटन दबाकर अंतरण किया। इसके पूर्व 1 करोड़ 46 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 14 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस से बड़ी संख्या में जुड़ीं सभी महिला लाभार्थियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। आप जानते हैं कि इस बार बिहार के लोगों ने विधान सभा चुनाव में भारी बहुमत से एन०डी०ए० को जिताया है तथा हम लोगों को फिर से अगले पाँच वर्षों तक बिहार की सेवा करने का मौका दिया है। मैं इसके लिए आप सभी महिलाओं के साथ–साथ बिहार के सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज 'महिला रोजगार योजना' के तहत अपनी पसंद का रोजगार करने के लिए 10 लाख महिलाओं को दस–दस हजार रुपये की सहायता राशि भेजी जा रही है। पहले 1 करोड़ 46 लाख महिलाओं को यह सहायता राशि दी जा चुकी है। आज 10 लाख महिलाओं को यह सहायता दी जा रही है। कुल मिलाकर 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं को इसका फायदा मिल जायेगा। इस योजना में दी गयी सहायता से काफी संख्या में महिलाओं ने अपनी पसंद का रोजगार शुरू किया है। जो महिलाएं अपना रोजगार अच्छे से करेंगी, उन्हें आगे 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अब इसके बाद जो परिवार बचे हैं, उनको भी अगले महीने तक सहायता राशि दे दी जायेगी। इससे राज्य के सभी परिवारों की महिलाओं को काफी फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने शुरू से ही महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया है। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गयी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 से पुलिस की बहाली में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। वर्ष 2016 से महिलाओं को सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया

जिसे 'जीविका' नाम दिया। अब स्वयं सहायता समूह में 'जीविका दीदियों' की संख्या 1 करोड़ 40 लाख हो गयी है। वर्ष 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है जिसमें लगभग 4 लाख 34 हजार जीविका दीदियाँ हैं। गठन लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी महिलाओं को इस 10 हजार रुपये की राशि से अपना काम शुरू करने में काफी मदद मिलेगी। इससे आपका परिवार खुशहाल होगा तथा बिहार का और तेजी से विकास होगा। आज के कार्यक्रम में तीनों लाभार्थियों ने अपने–अपने अनुभव साझा किये हैं। महिलाओं में आत्मविश्वास देखकर मुझे खुशी होती है। हमलोग सभी लोगों के विकास के लिये लगातार काम कर रहे हैं। केन्द्र सरकार का भी राज्य के विकास में पूरा सहयोग मिल रहा है। आगे सबके विकास के लिये काम करते रहेंगे। अंत में इस कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

आज के कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की लाभार्थी 'श्रीमती सुनीता देवी', जो पश्चिम चंपारण जिले की रहनेवाली हैं और ओम जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदी हैं, वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ी हुई थीं। श्रीमती सुनीता देवी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीविका समूह से जुड़ने के बाद मेरे जीवन में काफी बदलाव आया है। हमलोगों के जीवन में जो बदलाव आया है वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के कारण आया है। फिर से श्री नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हैं। जब हमारे खाते में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये की राशि आई, तो यह हमारे लिए बड़ा सहारा साबित हुई। रकम प्राप्त होते ही हमने अपने सपने को पूरा करने का निश्चय किया और बिना देर किए अपने घर के ठीक सामने, जो कि बाजार क्षेत्र में स्थित है, एक किराना दुकान की शुरुआत की और रोज़ाना 1000 रुपये तक की बिक्री हो जाती है। इससे केवल उनके घर की जरूरतें हीं पूरी नहीं हो रही, बल्कि उनके मन में आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी जागृत हुआ है। अब वह दुकान में और अधिक पूंजी जोड़कर इसे एक बेहतर किराना केंद्र के रूप में विकसित करना चाहती हैं। उन्हें विश्वास है कि यदि योजना से आगे और सहायता मिलती है, तो वे अपनी दुकान का विस्तार कर अपने परिवार की आय को बढ़ा सकेंगी। आपके द्वारा 125 यूनिट बिजली फ्री करने, नल–जल योजना लागू करने से सभी लोग काफी खुश हैं। हमारी बेटी मैट्रिक में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई है और उसे 10 हजार रुपया मिला है, इसका उपयोग वह कंप्यूटर सीखने में कर रही है। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है जिससे मेरे सास–ससुर को इलाज में काफी सहूलियत हो रही है। जीविका दीदियों के लिए आपने बहुत कुछ किया है हमलोग इसके लिए हृदय से आभारी हैं।

'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की लाभार्थी 'श्रीमती फूलन कुमारी', जो भागलपुर जिले की रहनेवाली हैं और कनक जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदी हैं, वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ी हुई थीं। श्रीमती फूलन कुमारी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि मैं श्री नीतीश भईया को फिर से मुख्यमंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। जीविका समूह से जुड़ने के बाद मेरे जीवन में काफी बदलाव आया है। आपने हमलोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काफी काम किया है। पहले हर काम अपने पति से पूछकर करते थे लेकिन अब जीविका से जुड़ने के बाद अपना निर्णय खुद लेने लगी हूँ। जब मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये की राशि आई, तो हमने एक किराना दुकान की शुरुआत की जिससे अच्छी आमदनी हो रही है और

हमारे परिवार का भरण–पोषण अच्छे ढंग से हो रहा है। मुख्यमंत्री भईया को हम दिल से धन्यवाद देते हैं।

'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की लाभार्थी 'श्रीमती फूल देवी', जो दरभंगा जिले की रहनेवाली हैं और प्रगति जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदी हैं, वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ी हुई थीं। श्रीमती फूल देवी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीविका समूह से जुड़ने के बाद मेरे जीवन में काफी बदलाव आया है। इसके लिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को धन्यवाद देते हैं। फिर से श्री नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हैं। जब हमारे खाते में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये की राशि आई, तो इससे हमें काफी फायदा हुआ। रकम प्राप्त होते ही हमने सिलाई मशीन खरीदकर अपना रोजगार शुरू किया। इससे हमारे घर की जरूरतें पूरी होने लगी हैं। यदि योजना से आगे और सहायता मिलती है, तो एक सिलाई सेंटर खोलकर अन्य जीविका दीदियों को अपने यहां रोजगार भी देना चाहती हूं। 125 यूनिट बिजली फ्री करने, नल–जल योजना लागू करने से सभी लोग काफी खुश हैं। पोशाक योजना, साइकिल योजना का लाभ हमारी बेटियां उठा रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है जिससे मेरे सास–ससुर को काफी फायदा हो रहा है। महिलाओं की तरक्की के लिए आपने जो काम किया है उसके लिए हम सभी महिलाएं आपकी आभारी हैं।

इस अवसर पर 'महिला रोजगार योजना' पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त डॉ० एस० सिद्धार्थ, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हिमांशु शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण, सभी जिलों के जिलाधिकारी, लाभार्थी एवं गणमान्य व्यक्ति जुड़े हुए थे।

******